ITUWTSA
NEW DELHI2024

सत्यमेव जयते

इस्पात राज्य मंत्री, भारत सरकार

संदेश

हिंदी दिवस के अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

विगत कुछ वर्षों से वैश्विक स्तर पर हिंदी की बढ़ती लोकप्रियता प्रत्येक भारतीय के मन को संतोष और गर्व से भर रही है। हिंदी, एक जीवंत भाषा है और इसने अपने में समय के अनुसार भाषिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और आधुनिक तकनीकी पक्षों को समाहित किया है। अब यह भाषा मात्र संवाद तक ही सीमित नहीं बल्कि रोजगार की भी भाषा बन चुकी है। इसका प्रमुख कारण हिंदी का स्वयं को तकनीकी रूप से सक्षम बना लेना और रोजगार सृजित करने वाली भाषा के रूप में विकसित होना है।

इस आधुनिक समय में तकनीकी-प्रौद्योगिकी का परिवेश तेजी से बदला है साथ ही हमारा समाज भी डिजिटल समाज में बदल रहा है। आज भाषा को तकनीकी-प्रौद्योगिकी के साथ बदलना ऐच्छिक नहीं, बल्कि अनिवार्य हो गया है। यह माननीय प्रधानमंत्री का राजभाषा एवं स्थानीय भाषाओं के लिए किए गए प्रयासों का परिणाम है कि आज हिंदी के साथ-साथ अन्य भारतीय भाषाओं को ज्ञान की विभिन्न विधाओं चाहे वह तकनीकी, मेडिकल, इंजीनियरिंग तथा वैज्ञानिक क्षेत्रों आदि के साथ जोड़ा जा रहा है जिससे हिंदी भाषी छात्र-छात्राओं को रोजगार के नित्य नये अवसर मिल रहे हैं। आज देश और विदेशों में हिंदी के प्रति विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है, देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी इस भाषा को सीखने का उत्साह बढ़ रहा है। इसका कारण है हिंदी भाषा का आज इंटरनेट जगत, कृत्रिम बुद्धिमता (ए.आई.) और विभिन्न प्रौद्योगिकी की भाषा बन जाना जिसके कारण विश्व के बहुत सारे देश किसी न किसी रूप में हिंदी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। साथ ही रोजगारपरक होने के कारण विश्व के अनेक विश्वविद्यालयों में इसका अध्ययन और अध्यापन भी हो रहा है।

इस्पात मंत्रालय और इसके अधीन आने वाले उपक्रमों के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों से इस हिंदी दिवस पर अपील है कि हिंदी को भविष्य की सम्मानित राजभाषा बनाने के लिए हम लोगों को अपने कार्यालयीन कार्यों सहित अन्य कार्यों को हिंदी में ज्यादा से ज्यादा करने में प्राथमिकता देनी चाहिए।

पुनः हिंदी दिवस की शुभकामनाओं सहित।

जय हिंद!

उद्योग भवन, नई दिल्ली
दिनांक: 14 सितंबर, 2024

भूपतिराजु श्रीनिवास वर्मा

(श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा)